Representation For Curbing Unreasonable Profits by Mill Owners

4559. SHRI PRAGADA KOTAIAH: Will the Minister of TEXTILES be pleased to state:

(a) whether any representation has been received by the Ministry of Textiles seeking assistance of the MRTP Commission to put an end to the excessive and exhorbitant profit being made by mills and middlemen on cotton yarn used by handloom weavers; and

(b) if so, the action taken or proposed to be taken thereon?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF TEXTILES (SHRI G. VENKAT SWAMY): (a) A representation dated 15 May 1993 has been received from Shri Pragada Kotaiah, Member of Parliament requesting the Ministry of Textiles to send the information relating to yarn prices to the Monopolies and Restrictive Trade Practices (MRTP) Commission.

(b) On the basis of the request made in the representation and a letter received from MRTP Commission, point-wise reply containing information on a number of issuing including policy matter on yarn supply and its prices has been furnished to MRTP Commission.

पटसन उत्पादन

4560. श्री बलवन्द मीणा : क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 1991-92 और 1992-93 के दौरान देश में पटसन का कितना उत्पादन हुआ;

(ख) क्या पिछले वर्ष के उत्पादन की तुलना में इस वर्ष कम उत्पादन हुआ है;

(ग) यदि हां, तो उसके क्या करण हैं;

(घ) उक्त अवधि में पटसन की कितनी मात्रा का निर्यात किया गया और उससे कितनी विदेशी मुद्रा अर्जित की गयी;

(ङ) क्या 1991 की तुलना में 1992 में पटसन और पटसन उत्पादों के निर्यात में गिरावट आई है;

(च) यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं; और

(छ) पटसन के उत्पादन को बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा पटसन उत्पादकों को क्या-क्या प्रोत्साहन और सुविधाएं उपलब्ध करायी गयी हैं?

वस्त्र मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री जी० वेंकटस्वामी) :

(क) से (ग) कच्ची पटसन का उत्पादन :

वर्ष (जुलाई-जून)	कच्ची पटसन का उत्पादन (हजार गांठों में)
1991-92	10182
1992-93	8988

स्रोत : कृषि मंत्रालय।

बोआई के समय प्रतिकूल मौसम की स्थिति तथा भूमि पर कुल अन्य प्रतियोगी सलें लगाने के कारण उत्पादन में कुछ हद तक कमी आई है।

(घ) से (च) पटसन वस्तुओं का निर्यात :

वर्ष (अप्रैल-मार्च)	मात्रा (हजार टन में)	मूल्य (करोड़ रु० में)
1991-92	237.1	389.24
1992-93	195.8	351.69

कच्ची पटसन का निर्यात :

वर्ष (जुलाई-जून)	मात्रा (लाख गांठों में)	मूल्य (करोड़ रु० में)
1991-92	0.11	1.53
1992-93	0.60	7.54

हालांकि कुल मिलाकर पटसन वस्तुओं के निर्यात में कमी हुई थी, जी सी ए के देशों को सैकिंग तथा यार्न के निर्यात में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई थी। विविधीकृत पटसन उत्पादों के निर्यात में भी उसी अवधि के दौरान ऊर्ध्वगामी प्रवृत्ति दिखाई दी। पटसन वस्तुओं के निर्यात में कुल कमी का कारण भूतपूर्व सोवियत संघ तथा मध्य पूर्व देशों की हैसियत के निर्यात में कमी के कारण, विकसित देशों में मंदी, सस्ते तथा हल्के सिंथेटिक प्रतिस्थापन के कारण विशेषकर अमरीका को कालीनों के नीचे लगने वाले कपड़े के निर्यात में कमी तथा बंगलादेश द्वारा विक्रय मूल्य में समरूपी कटौती द्वारा रुपए की परिवर्तनीयता के प्रभाव के निष्प्रभावीकरण को माना जा सकता है। 1991-92 की तुलना में 1992-93 में कच्ची पटसन के निर्यात में वृद्धि हुई है।

(छ) यार्न, रंजक/सजावटी फैब्रिक, पटसन के फ्लोर कवरिंग, वाल हैंगिंग आदि जैसी मूल्य वर्धित विविधीकृत मदों के उत्पाद पर बल देते हुए सरकार ने उत्पादन बढ़ाने के लिए पटसन उपजकर्ताओं को कई प्रोत्साहन तथा सुविधाएं दी हैं।